□□□□ □□□□□

□□□□ □त्रा□□□

(□□□□, □□□ □ प्रा□□ि□□ ि□ि□त□□, □□□□□, सिद्ध एवं होम्यो□□□)

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न सं. 4162

13 ि□□म्□□, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

□□□□□□□ चिकित्सा पद्धतियां □ □□□□□□

4162. **श्री** □□□□ □□□□श□□ □□□□:

डॉ. □□□□ □□□□□ □□□:

□□. □□□न्□ □□□□□□:

क्□□ □□□□, □□□ □□ **प्राकृतिक** ि□ि□त□□, □□□□□, ि□द्ध □□ □□म्□□□□ (□□□□) □त्री □□ □□□□□□ □□□□ □□□ि□:

(□) क्□□ □□□□□ □□□□□ ि□□□□□□ क्षेत्रों □ □□□□ि□□ ि□ि□त□□ □द्धि□ □ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □;

(□) ि□ □□,□□ □त□□□□ ब□□□ क्□□ □; □□

(□) □□□□□ द्□□□ □□□□-ि□ग्□□ ि□ि□त□□ □द्धि□ □□ि□□□□ □□ प्र□त□□□□ □□□□□ □ □□□ □□□□ ि□□ □□ □?

उत्तर

□□□□ □□ज्□ □त्री (स्□तंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(□) □□ (□): आयुष मंत्रालय के अंतगत एक स्वा□त□ □स□□□, कद्रीय आयुवदाय विज्ञान अनुसंधान परिषद (□□□□□□□□□) □□ि□□□□□□ क्षेत्र म पारंपरिक चिकित्सा पद्धति म अनुसंधान के प्रोन्न□□ □□ि□□ 09 □स□□नों/कद्रों का स्था□□□ □ा □□□स□□□/□द्र □म्□□□□□□श□□, □द्द□□, ि□□□□□ प्र□□, □त□□□□□, □□□, अरूणाचल प्रदेश, ि□क्□□□, त्रिपुरा और नागालड म स्थि□ □□

(□): □□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □स□□न नामत: राष्ट्री□ □□□□ ि□ग्□□ □□□□□□ □स□□□ (□□□□□□□□□□□) □□, लद्दाख म स्थि□ □□ □स□□न ने निम्नलिखित तीन अनुसंधान परियोजनाएं और एक □□□□□□□ स्□स्थ्य परिचया अनुसंधान परियोजना आरंभ की है:

i. □□□□□ □□ □□□□-ि□ग्□□ और आयुवद के उपयोग म लाए जाने वाले औषधीय पादपां □□ पूण की गई सचित्र मागदशक परियोजना।

ii. □□□□□□□□□□□, लेह म शास्त्री□ □□□□-ि□ग्□□ औषधयोगां के संकलन और प्रलेखन पर पूण की गई □ि□□□□□□

iii. हिमालयी क्षेत्र म अति उच्चता क्षेत्र के लुप्तप्राय औषधीय पादपां के लिए कृषि तकनीक का विकास □□□□ □ि□□□□□□

iv. □□ □ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ स□□स्थ्य परिचया अनुसंधान परियोजना □□ □□□□□□
□ □□ □□□□-□□□□ स□□स्थ्य कद्र का सुदृढ़ीकरण□

□□□□ □□□□□ □□20 □□म्□□, 2019 □□ □□□□-□□□□ □□ष्ट्री□ □स□□□, लेह का स्था□□□ □□□□□ □□ प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। यह संस्था□ □□□□-□□□□ □□□न्□र्विषयी अनुसंधान और शिक्षा □□□□□□□ □□□ □त□□□□□□ □□□□

*****